



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	13.08.2020	02	07-08

WEBINAR ON NEMATODE PROBLEM

Hisar: The nematology department organised a webinar on the problem of nematodes in horticultural crops, and their management. The webinar was organised in view of the gravity of the problem in Guava and poly houses in the state. Dr RK Walia, former professor, nematology department and former project coordinator, All India Coordinated Research Project (Nematodes), ICAR, was the main speaker at the webinar. Besides, students and scientists of the department, 125 participants from 14 states participated in it. He explained that the main reason behind the spread of nematodes in these crops was the use of nematode-infected nursery and other planting material. Farmers and nurseryman are often ignorant about the nematode infection in these crops. He emphasised on the need to test the soil and planting material before erection of poly house and planting of orchard. He also laid stress on the use of nematode-free nursery, and integrated nematode management in poly houses. At the end of webinar, speaker answered the queries and questions of participants. Vice-Chancellor of CCS HAU, Hisar, Dr Samar Singh, and Director of Research, Dr SK Sehrawat congratulated the scientists of the department on organising the webinar.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	02	07-08

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे

एचएयू के कुलपति ने बताए औषधीय पौधों के गुण

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही कोविड-19 महामारी से लड़ा जा सकता है। देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है।

चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नर्सरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्थ के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।



एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह।

ये हैं मुख्य पौधे जिनके प्रयोग से बढ़ा सकते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/डोल तथा वन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अल्सर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टोनिक के रूप में सभी आयुर्वर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं।

इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	04	06-08

वीसी बोले- वीरवार को गठित करेंगे विशेष कमेटी

एचएयू में ग्रीन हाउस निर्माण
में गोलमाल का मामला

भारकर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हाइटेक ग्रीन हाउस के निर्माण में गड़बड़ी सामने आने के बाद अब वीसी ने अपने स्तर से मामले की जांच

करनी शुरू कर दी है। वीसी ने कहा कि वीरवार को मामले की जांच को लेकर विशेष कमेटी गठित करेंगे। यही नहीं वह खुद भी मामले की जांच करेंगे।

दरअसल, एचएयू में 12 करोड़ रुपये में ग्रीन हाउस का निर्माण होना था। यह विवि का ड्रीम प्रोजेक्ट था। निर्माण का जिम्मा एस्ट्रोन सोलर पॉवर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। अभी बीस प्रतिशत ही काम पूरा हो सका

है। मगर कंपनी को आधे से अधिक यानि करीब सात करोड़ का भुगतान कर दिया गया। अब कंपनी का कोई पता नहीं है। विवि प्रशासन कंपनी को इस संबंध में पत्र लिख रहा है। वीसी डॉ. समर सिंह का कहना है कि आज वह चंडीगढ़ मीटिंग में आ गए। दो दिन बाद इस मामले में कमेटी गठित करेंगे। यदि किसी की संलिप्तता मिलती है तो जांच के बाद विभागीय कार्रवाई होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	04	01-04

पहल • एचएयू तीसी के प्रयास से प्रदेश के किसान होंगे लाभान्वित, शोधार्थियों और किसानों को जल्द मिलेगी ट्रेनिंग सीवरेज वाटर में भी मछली पाल सकेंगे किसान, एचएयू में 50 साल से सीवरेज के लिए बेकार 16 एकड़ जमीन में शुरू कराया मछली पालन

महबूब अली | हिसार

प्रदेश के किसानों और मछलियों पर शोध करने वाले छात्रों के लिए खुशखबरी है। एचएयू में वर्ष 1970 से सीवरेज पानी के लिए बने तालाबों के लिए बेकार पड़ी 16 एकड़ जमीन में विवि प्रशासन ने अत्याधुनिक तरीके से मछली पालन शुरू कराया है। खासियत यह है कि सीवरेज के पानी में ही मछली पालन शुरू किया गया है। जिसमें विभिन्न प्रजातियों की मछलियों को पाला गया है। दिवंबर, जनवरी महं तक छात्र यहां मछलियों पर शोध कर सकेंगे। वहीं निर्देश पर तैयारी शुरू कर दी है।



एचएयू में मछली पालन के बारे में लोगों को जानकारी देते वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर सिंह। में ट्रेनिंग भी हासिल कर सकेंगे। इस संबंध में विवि प्रशासन ने कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के

चार तालाब बना पंगास, मांगूर, मुरकी, कैट, चिलकारी मछलियां पालीं

डॉ. रचना गुलाटी ने बताया कि विवि के सोलह एकड़ के सीवरेज के तालाबों के पानी की जांच करवाने के बाद उनमें विभिन्न प्रकार की मछलियों को पब्लिक प्राइवेट सहभागिता के आधार पर पालने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया। अब सफलता

पूर्वक मछली पालन किया जा रहा है। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि बनाए गए चार तालाबों में पंगास, भारतीय मांगूर, मुरकी, कैट, चिलकारी आदि मछलियों को पाला गया है।

एचएयू के लिए यह बड़ी उपलब्धि है : प्रोफेसर समर सिंह

“एचएयू के लिए यह बड़ी उपलब्धि है कि सीवरेज के पानी में ही मछली पालन शुरू कराया गया है। एचएयू साल से एचएयू में उक्त 16 एकड़ जमीन बेकार पड़ी थी। जल्द ही किसान और छात्र भी यहां पर आकर ट्रेनिंग ले सकेंगे।” - प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू हिसार।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

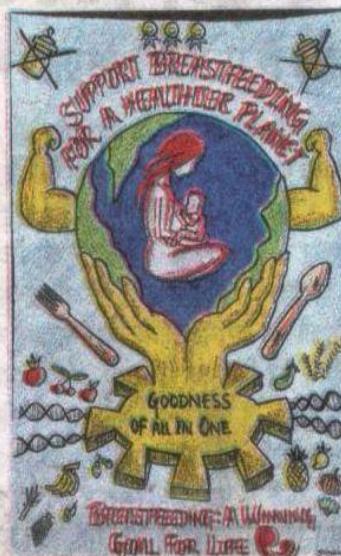
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.08.2020	02	01-03

एचएयू के होम
साइंस कॉलेज में
ऑनलाइन स्पर्धा
का आयोजन

सिटी रिपोर्टर. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती होम साइंस कॉलेज में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तरनापान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह' के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

भत्या संधु ने सबसे अच्छी पौष्टिक रेसिपी बनाकर पाया प्रथम स्थान

प्रतियोगिताओं में ये प्रतिभागी भी रहीं विनर



- नवाचार आधारित पौष्टिक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय रहीं।
- हाथ से बनाए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं।
- स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया।
- प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती के साथ आस्था, ज्योति और प्रियंका विजेता रहीं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.08.2020	02	06

एक भी किसान एचाएयू से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा : प्रो. समर

हिसार| एचाएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान किया कि वही देश का भविष्य हैं, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उन्नति व विकास में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें मगर किसानों के कल्याण के लिए कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्तव्य है कि किसानों की सहायता करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.08.2020	02	08

बीएससी ऑनर्स में दाखिले के लिए एचएयू में आवेदन का आज अंतिम दिन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर में एडमिशन के लिए आवेदन का आज अंतिम दिन है। 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्र ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर समय सिंह ने बताया कि मेरिट के आधार पर एडमिशन लिए जाएंगे। प्रयास रहेगा कि छात्र एवं छात्राओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करने दिया जाए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13.08.2020	04	06-08

कृषि मेघ एप्लीकेशन से किसान और छात्रों को घर बैठे मिलेगी खेती से लेकर रिस्च तक की जानकारी

एप्लीकेशन के माध्यम से देशभर के एलुमिनाई भी एक साथ जुड़ सकेंगे

भास्कर न्यूज | हिसार

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित 'कृषि मेघ एप्लीकेशन सेवा' का शुभारंभ किया गया गया था। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि एप के माध्यम से जहां किसानों का डांटा ऑनलाइन होगा। वहीं किसान एप्लीकेशन के माध्यम से किसी भी तरह की खेती से संबंधित जानकारी हासिल कर सकेंगे। इसके

अलावा छात्र कृषि संबंधी रिसर्च की भी एक क्लिक पर जानकारी हासिल करेंगे। विवि भी किसान और छात्रों को सेवा के प्रति सोशल मीडिया और एसएमएस के माध्यम से जागरूक कर रहा है।

कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि कृषि मेघ सेवा का शुभारंभ आईसीएआर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तैयार किया गया है। कृषि मेघ एक डिजिटल प्लेटफार्म है, जिसपर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा और इससे नई शिक्षा नीति' के साथ - साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को

बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ- साथ उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत् को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाइन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने भी केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर को बधाई दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.08.2020	04	07-08

नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में भव्या संधू प्रथम

हिसार (ब्यूरो)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताएं करवाई गईं। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर हुई



भव्या संधू

प्रतियोगिता में 245 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा व खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आईसीडीएस कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। डॉ. संगीता

संधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. बीनू सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल ने संचालन किया। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधू, प्रेक्षा द्वितीय और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाई गई पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला ने चौथा व नीलम ने पांचवां स्थान पाया। प्रश्नोत्तरी में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.08.2020	02	01

'कृषि मेघ' होगा किसानों के लिए लाभकारी'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा है कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा शुरू की गई 'कृषि मेघ' सेवा से नई शिक्षा नीति के साथ-साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा। इससे उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाई नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाइन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.08.2020	02	01-06

एचएयू : मेरिट के आधार पर दाखिला करने के फैसले के पक्ष में नहीं विद्यार्थी

अमर उजाला ब्लूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में संचालित स्नातक कृषि में मेरिट के आधार पर दाखिले करने के फैसले का विरोध किया है। विद्यार्थियों के अनुसार विश्वविद्यालय के इस फैसले से 12वीं कक्षा में कम अंक लेने वाले विद्यार्थियों का नुकसान होगा। विद्यार्थियों ने मांग की है कि उक्त कार्रव में दाखिले मेरिट नहीं, बल्कि प्रवेश परीक्षा के आधार पर किए जाएं।

बता दें कि इस बार एचएयू प्रशासन ने कोरोना संकट को देखते हुए स्नातक कक्षाओं में मेरिट और स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिले करने का फैसला किया है।

मैं पिछले एक साल से बीएससी एग्रीकल्चर की प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी कर रहा हूं। मार इस बार विवि मेरिट आधार पर दाखिले कर रहा है। मेरे बाहरी में अंक ज्यादा नहीं थे। मेरे जैसे और काफी विद्यार्थी ऐसे हैं, जिन्हें इस फैसले से नुकसान होगा।

-हितेन, तोशाम

विवि का यह फैसला विद्यार्थियों के हित में नहीं है। लिए तैयारी कर रहा हूं। मार इस बार विवि मेरिट आधार पर दाखिले कर रहा है।

प्रवेश परीक्षा के आधार पर ही होने चाहिए, ताकि दाखिले के लिए सभी को सभी अवसर मिल सके।

-राहुल, छात्र।

विवि ने कोरोना संकट को देखते हुए यह फैसला लिया है। मगर सामाजिक दूरी, मास्क पहनना आदि नियमों का पूरी तह पालन करते हुए भी परीक्षा का आयोजन किया जा सकता है। अगर दाखिले मेरिट आधार पर किए जाते हैं तो उन्हें विद्यार्थियों के साथ बड़ी नाइसफ़ी होगी, जिनके किसी भी कारणवश बोर्ड परीक्षाओं में ज्यादा अंक नहीं आ सके।

अर्जुन, रेवाड़ी।

विवि का यह फैसला बिल्कुल भी सही नहीं है, क्योंकि इस फैसले से कई विद्यार्थियों का भविष्य नहीं है। प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिले कर रही है। इसलिए हमारी एकेडमिक कार्डिनल ने भी मेरिट आधार पर ही दाखिले करने का फैसला किया।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

“

कारब 15
हजार विद्यार्थी
यह परीक्षा देते
हैं। विवि
प्रशासन

कोरोना को लेकर सकार की सभी गाड़इलाइन का पालन करते हुए परीक्षा कराने में सक्षम नहीं था। हालांकि हमन ऑनलाइन परीक्षा पर भी विचार किया था, लेकिन उसके लिए भी हमारे पास संसाधन नहीं हैं। पीएयू भी मेरिट आधार पर ही दाखिले कर रही है। इसलिए हमारी एकेडमिक कार्डिनल ने भी मेरिट आधार पर ही दाखिले करने का फैसला किया।

प्रो. समर सिंह, कुलपति,
एचएयू।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12.08.2020	02	01

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे : कुलपति

हिसार, 11 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है।

इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है।

चिकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.08.2020	03	04-06

युवाओं पर टिका है देश का भविष्य : प्रो. समर सिंह

जागरण संघादाता, हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर युवाओं को प्रो समर सिंह, कुलपति, आह्वान किया एवं एयू. हिसार।

कि वह देश का भविष्य हैं, ऐसे में उन्हें इसकी उन्नति व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे हमेशा किसानों के



कल्याण के लिए कार्य करें। हरियाणा कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कर्तव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कर्मचारी से जानकारी मांगे तो वह उसका सही मार्गदर्शन करें। विश्वविद्यालय से किसान हमेशा यह कहता निकले कि अगली बार फिर आऊंगा। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है,

जिसका परिणाम वीरवार को घोषित किया जाएगा।

देश में कृषि मेघ होगा किसानों के लिए लाभकारी : कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास और पंचायतीराज मंत्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत विकसित कृषि मेघ सेवा व अन्य तीन सेवाओं का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया। कृषि मेघ आइसीएआर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तैयार किया गया है।

उन्होंने बताया कि कृषि मेघ एक

डिजिटल प्लेटफार्म है जिस पर कृषि संबंधी डाटा उपलब्ध हो सकेगा। इससे नई शिक्षा नीति के साथ-साथ कृषि शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही उच्च कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एलुमिनाइ नेटवर्क (केवीसी एलुनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों को ऑनलाइन मान्यता प्राप्त हो सकेगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	12.08.2020	09	05-08

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं औषधीय पौधे

हिसार। कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साखित हो सकती हैं। हृत्वि कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है। विकित्सा सुगंधित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छावड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ये पौधे बढ़ाते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा -अश्वगंधा की जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षीगांठ, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। तुलसी -तुलसी में विषाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सदियों में जुकाम, बुखार, खाँसी एवं कफ के निवारण हेतु तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बगाया जाता है। मुलहठी-यह दमा, टीबी, कफ, निमानिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। गिलोय: गिलोय में रोगाणु-विषाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। छसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। दाल-चीनी- इसका उपयोग बोक्काहाइटिस, दाम आदि श्वास

संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी वृक्ष का ही उपयोग करें। बांसा - धन पौधों का उपयोग कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ढोकाहाइटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। लेमन गास - लेमन गास से सिर दर्द और मानसिक तगाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती दिलाती है। इसकी ताजी सूखी पत्तियों का उपयोग गोबटी के रूप में किया जाता है। अदरक-अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मद्दगार है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है। हल्दी- हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्त्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	12.08.2020	10	07-08

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम पौष्टिक रेसिपी

हिसार। हकूमि के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिळनी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, छानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	11.08.2020	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

कहा-किसान करें औषधीय पौधों की खेती - आय में करें बढ़ोतरी

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे : प्रो. समर सिंह

पांच को व्या

हिसार। चौथे चतुर्वेदी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोरोना-19 माझारी के चलते पेट सूख हालत में होते हैं जो एक प्रतिरोधक वनस्पति को बढ़ावा देता है। इस माझारी के चलते देसी जड़ी-बूटियाँ दमारी रोग प्रतिरोधक वनस्पति बढ़ावा देती हैं। इस माझारी से लड़ने में मददगार मार्जिन है। उन्होंने कहा कि कोरोना का संकेतन यौन-शैक्षणिक रूप से भी होता है, जो कोरोना के बढ़ाने वाली जीवों को अवश्यकता है।

विकास मुराजी ने मालवर्षी संभावित पौधे विधान के विभाग में डॉ. अदाक छावड़ा के अनुसार वैज्ञानिक गोंद से भी सिंधु दो चूका है कि औषधीय पौधे कोरोना मालवर्षी से लड़ने के लिए शरीर को एक प्रोटेन कर सकते हैं। इसका मैथम 3-4 माह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओवर, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुमसी- तुमसी में विश्वाजी से लड़ने की क्षमता होती है। प्रोटेन करने से ही मर्दीयों में जुड़ाय, बुझा, यांत्रे एवं काफ क्रियान् विधान के अधीक्षित पौधे को नामों

के दुनियाँ दूर एवं दूसरी कृषि विधान के अनुसार अनेक ऐप्लीकेशनों हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

ये हैं मधुवा पौधे जिनके प्रयोग से बढ़ा सकते हैं प्रतिरोधक क्षमता-

आवश्यक- विश्वाजी डॉ. अदाक छावड़ा के अनुसार अवश्यक प्रतिरोधक वनस्पति रूप में हमारे आप-दम, मझड़ा कियारे, दोठ की

मेंद-दोलन तथा जल बोंबों में पाया जाता है, जिसकी जड़ बड़े फैलती है जो सूखन, चापात,

आसान, चमोल, गृहिणी, रुक्षवा, दुर्बलता तथा खाली को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूने संकेतनपैकड़ टोकिक के रूप में मधी आवश्यक के लिए

प्रयोग कर सकते हैं। इसका मैथम 3-4 माह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओवर, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुमसी- तुमसी में विश्वाजी से लड़ने की क्षमता होती है। प्रोटेन करने से ही मर्दीयों में जुड़ाय, बुझा, यांत्रे एवं काफ क्रियान् विधान के लिए भी काफ करना लाभदान के लिए भी किया जाता है।



जानकारी है।

मलहड़ी- यह दम, टी.बी.कफ, निशानबा, बड़ा रोप तथा शिंग रोपों में अवलम्बन करती है जो क्षमता है। इसके अवलम्बन करने से शरीर की कम करते हैं। इसके अवलम्बन यह पीसमानाक, वर्षनानाक एवं चूंकुनापैकड़ है व ये पीटेक अवलम्बन में भी उपयोगी यांत्रे यांत्र हैं। इसका प्रयोग उपयोगी यांत्रियों, एल्कोहॉल, पीटेक वर्षनानाक औषधियों, एल्कोहॉल, पीटेक कारबाह लाइटन के लिए भी किया जाता है।

गिरोध- गिरोध में रोपण-विधान से लड़ने की क्षमता होती है। इसको लता का काढ़ा चुम्बा अदि में दिया जाता है। इसकी उपयोग से प्रतिक्षा प्रणाली को मजबूती देता, डाइ-फल तथा वास्तवों का विभ्रान मिलता है। इसकी ताजा/सुखों पौत्रों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है। इसको जड़ बड़ा बनानेकरी होती है। गिरोध उपयोग के लिए जड़ बनाने की तक्की करते हैं।

बदरख- अदाक एक अद्युत औषधीय

पौधा है, जो बड़े प्रकार की सौनायीय

संबन्धीयों से जड़ बनाने में मददगार है। इसके अवैतरिक

बदरख हमारे इम्पुनिटी सिस्टम को मजबूत

बनाने में सहायक है।

हार्दी- हार्दी हमारे शरीर की प्रतिक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके नीचान्धारी, पट्टी-व्यापाल तथा एटी-व्यापाल तत्व भी यांत्रा जाता है। जो हार्दी शरीर को इम्पुनिटी बढ़ाने में सहायक है।

सुदूर प्रतिरोधक

वनस्पति इसे मदी, फूल और खासी तेजों को

संभलता की कम करते हैं। इसी, खासी या

फूल होने पर एक गिराव गम्भीर दृष्टि में एक

ज्ञानान्धार, खुलानी, लोड़े जा दर्द में भी

उपयोगी यांत्रे यांत्र हैं। इसका प्रयोग

इलेक्ट्रोलॉजी की ताकत गुण भी यांत्र

है। इसके अवैतरिक हार्दी कैमर, गठिया,

मधुमेह, हाथ रोग में विद्युत, यांत्र भारे,

वर्षन बढ़ाने में सहायक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	11.08.2020	--	--

हक्कि में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान समाह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

प्रतियोगिता में 245 विद्यार्थियों ने



लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढाण्डा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय

के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता संधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उवेंशी नांदल की द्वयूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिन्नी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रतीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	11.08.2020	--	--

निबंध प्रतियोगिता में अंकित सचदेवा प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा 'भारत छोड़े आदोलन दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस आदोलन ने देश के सभी लोगों को स्वाधीन प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। आज देश कोरोना महामारी से ज़ूँझ रहा है व प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। साथ ही कोरोना के खिलाफ सभी को इस ओर सामाजिक दूरी कायम रखते हुए मास्क का प्रयोग कर सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस तरह की प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास की भावना पैदा होती है।

छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के 66 विद्यार्थियों ने पंजीकरण करवाया था और 25 विद्यार्थियों ने अपने निबंध भेजे थे। निबंध का विषय 'नई शिक्षा नीति के फायदे व नुकसान' पर आधारित था। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार के शुभ्र सचदेवा ने 22.9 अंकों के साथ प्रथम, 22.7 अंकों के साथ दीसि सहरावत द्वितीय और 22.4 अंकों के साथ प्राची बंसल ने तृतीय स्थान हासिल किया। उन्होंने बताया कि निबंध प्रतियोगिता का आयोजन लिटरेरी एंड डिवेलिंग सोसायटी की अयश्व डॉ. अपर्णा की अगुवाई में किया गया व डॉ. देवेंद्र दलाल ने इसका संचालन किया। पंजीकरण का कार्य सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल द्वारा किया गया।

सूत्रकृमि प्रबंधन तकनीकों को अपनाएं किसान: कुलपति

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए सूत्रकृमि प्रबंधन को किसानों द्वारा अपनाया जाना चाहिए ताकि बागवानी फसलों से अधिक पैदावार हासिल की जा सके। वे विश्वविद्यालय के सूत्रकृमि विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के दौरान किसानों, विद्यार्थियों व कृषि वैज्ञानिकों को संवेदित कर रहे थे। वेबिनार का मुख्य विषय 'बागवानी फसलों में सूत्रकृमि की समस्याएं और उनके समाधान' था।

प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि जानकारी के अभाव में किसान नसरी से बीमारी से ग्रस्त पौधे को अपने खेत या बाग में लगा देते हैं, जिससे बाद में उन्हें अर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए किसानों को बाग लाना से पहले सूत्रकृमि के लिए मिट्टी की जांच अवश्य करानी चाहिए। अखिल भारतीय समनिवृत अनुसंधान परियोजनाएं एवं प्रोजेक्ट कोडिनेटर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रमन कुमार ने बागवानी फसलों में लगने वाले सूत्रकृमि तथा उनके समाधान पर महत्वपूर्ण जानकारी विस्तारपूर्वक प्रदान की। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों में सूत्रकृमि रोग फैलने का मुख्य कारण नसरी से रोगी पौधे का खेत या बाग में लगाया जाना है। इसलिए बागवानी फसलों को लाना से पहले किसान को अपने खेत की मिट्टी जांच अवश्य करवानी चाहिए ताकि समय रहते बीमारी का पता लगाया जा सके।

डॉ. वालिया ने पॉलीहाउस की फसलों में समेकित सूत्रकृमि प्रबंधन अपनाने पर बल दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों द्वारा सूत्रकृमि प्रबंधन को लेकर बताए गए सुझाव अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से सूत्रकृमि को लेकर सचेत रहने और सावधानी बरतने का आह्वान किया। वेबिनार में देश के 14 राज्यों के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	11.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक ऐसिपी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तरनापान सासाह के अवसर पर कराई गई थी। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला ढांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन में डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. बर्षा रानी, डॉ. बीनू सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु रही जबकि प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेव प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं।

इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरधोष, सिरसा	11.08.2020	--	--

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे: प्रोफेसर समर सिंह

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बूटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली जीजों की आवश्यकता है।

चिकित्सा सुर्खित व महत्वपूर्ण संभावित पौधे विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छाबड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधीय पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सदर्भ में आनुवाशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौधे की नईरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। डॉ. छाबड़ा के अनुसार अध्यांग प्राकृतिक रूप से हमारे आसपास, सड़क किनारे, खेत की मेढ़/झेल तथा बन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाघात, अलसर, चमरीग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टोनिक के रूप में सभी आयुर्वर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसी प्रकार तुलसी में विषाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्वियों में जुकाम, खुखार, खांसी एवं कफ के निवारण के लिए तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है। वहीं मुलहड़ी से दमा, टी.बी., कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यंत लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीपासानाशक, वमननाशक एवं बुद्धिवर्धन है व पैटिक अलसर में भी उपयोगी पाई गई है।

इसका प्रयोग कीटाणुनाशक औषधियां, एल्कोहॉल, यीस्ट कल्चर उत्पादन के लिए भी किया जाता है। गिलोय में रोगाणु विषाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा खुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ वमनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा श्वास संबंधी रोगों को ठीक करती है। इसी प्रकार दाल चीनी का उपयोग ब्रोन्काइटिस, दमा आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाओं में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिवे में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उत्तयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है। बांसा के पौधों का उपयोग मुख्य रूप से श्वास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोन्काइटिस, खुजली, जेझें का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-वायरल, एन्टी-बैक्टेरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं। वहीं लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सूखी पत्तियों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है। डॉ. छाबड़ा ने बताया कि अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मददगार है। अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है। वहीं हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करत है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्व भी पाया जाता है जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदूर प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पी सकते हैं। इसके अतिरिक्त हल्दी कैंसर, गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, बजन घटाने में सहायक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	12.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 12 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान संसाह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय ‘स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना’ था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।



245 विद्यार्थियों ने लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढांडा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता संधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. बीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की इयूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंयुटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	11.08.2020	--	--

भत्या सिंधु ने बनाई सबसे स्वदिष्ट पौष्टिक रेसिपी

हिसार/11 अगस्त/रिपोर्टर

बताया कि विश्वविद्यालय के रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रतियोगिता में आईसीडीएस कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विभिन्न महाविद्यालयों के पर भव्य संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रही। कंप्युटर से बनाए गए आईसीडीएस कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा गानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नंदल की ड्यूटी लगाई गई सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान कि सभी प्रतिभागियों को ई-विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने थी। नवाचार आधारित पौष्टिक सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	11.08.2020	--	--

‘देसी जड़ी-बुटियां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर महामारी से लड़ने में मददगार’

हिसार/11 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुए हालात में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर ही इस बीमारी से लड़ा जा सकता है। इस महामारी के चलते देसी जड़ी-बुटियां हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर हमें इस महामारी से लड़ने में मददगार साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण जैसे-जैसे बढ़ रहा है, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों की आवश्यकता है। चिकित्सा सुरंगित व महत्वपूर्ण संभावित पौध विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छावड़ा के अनुसार वैज्ञानिक शोध से भी सिद्ध हो चुका है कि औषधियों पौधे कोरोना महामारी से लड़ने के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस सदर्भ में आनुवांशिकी व प्रजनन विभाग के औषधीय पौध की नरसरी के इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार आर्य के अनुसार अनेक ऐसे औषधीय पौधे हैं जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं।

डॉ. छावड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, खेत की भेड़/डोल तथा बन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसकी जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षावात, अलसर, चर्मरोग, गठिया, रक्तचाप, दुर्बलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिवर्धक टॉनिक के रूप में सभी आयुर्वर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्फूर्ति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुलसी में विधाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही सर्दियों में जुकाम, बुखार, खांसी एवं कफ के निवारण हेतु तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है। मुलहठी दमा, टीबी, कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीपासानाशक, वर्मननाशक एवं वृद्धिवर्धन है व पैच्टिक अलसर में भी उपयोगी पायी गई है। इसका

प्रयोग कीटाणुनाशक औषधियां, एल्कोहल, यीस्ट कल्चर उत्पादन के लिए भी किया जाता है।

गिलोय में रोगाण-विधाण से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विभिन्न औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ वर्मनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा श्वास संबंधी रोगों को ठीक करती है।

दाल-चीनी का उपयोग ब्रोन्काइटिस, दमा आदि श्वास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्ण का ही उपयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है। बांसा के पौधों का उपयोग मुख्य रूप से श्वास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोन्काइटिस, खुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-वायरल, एन्टी-बैक्टेरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं।

लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सुखी पत्तियों का उपयोग ‘ग्रीन टी’ के रूप में किया जाता है। अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में मददगार है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है।

हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-वायरल तथा एन्टी-फंगल तत्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदूर प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाइपल या गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, बजन घटाने में सहायक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	11.08.2020	--	--

=नित्य शक्ति टाईम्स (हिसार) मंगलवार 11 अगस्त, 2020

3 =

कोरोना के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार हैं औषधीय पौधे : प्रो. समर सिंह



कुलपति ने कहा : औषधीय पौधों की खेती कर आय में बढ़ोत्तरी करें किसान



डॉ. अशोक चावला



डॉ. राजेश कुमार आर्य अभियंता में सहाय्य करते हैं।

ये हैं मुख्य पौधे जिनके प्रयोग से बढ़ा सकते हैं प्रतिरोधक क्षमता

अश्वगंधा : विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक छावड़ा के अनुसार अश्वगंधा प्राकृतिक रूप से हमारे आस-पास, सड़क किनारे, सेंट को मेड/होल तथा बन क्षेत्रों में पाया जाता है, जिसको जड़ फेफड़ों की सोजन, पक्षाधात, अलसस, चमरीग, गढ़िया, रक्खात, दुर्वलता तथा थकावट को दूर करने के लिए प्रयोग होती है। इसकी जड़ का चूर्ण शक्तिशाली टोनिक के रूप में सभी आयुर्वर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका सेवन 3-4 सप्ताह से 3-4 महीने तक करने से शरीर में ओज, स्मृति, शक्ति, चेतना तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

तुलसी : तुलसी में विधाणुओं से लड़ने की क्षमता होती है। प्राचीन काल से ही संदर्भों में जुकाम, बुखार, खांसी एवं कफ के निवारण हेतु तुलसी की पत्तियों का काढ़ा बनाया जाता है।

मुलहठी : यह दमा, नींबू, कफ, निमोनिया, यकृत रोग तथा शिरा रोगों में अत्यन्त लाभकारी हो सकती है। इसके अलावा यह पीपासानाशक, घमननाशक एवं चुंडीबचन है व पैंटिक अलसर में भी डायरीग पायी गई है। इसका प्रयोग कौटाण्यानाशक औपचियां, एक्सीहल, योस्ट कल्चर उत्पादन् के लिए भी किया जाता है।

गिलोय : गिलोय में रोगाणु-विधाणु से लड़ने की क्षमता होती है। इसकी लता का काढ़ा बुखार आदि में दिया जाता है। इसकी बेल, जड़, फल तथा पत्तियों का विधिय औषधियों के निर्माण में उपयोग किया जाता है। इसकी जड़ बयनकारी होती है। गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है तथा शास संबंधी रोगों को ठीक करती है।

दाल-चीनी : इसका उपयोग ग्रोन्काइटिस, दाम आदि शास संबंधी रोगों के उपचार के लिए दवाईयों में उपयोग होता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि दिन में केवल 2-4 ग्राम दालचीनी चूर्चा का ही उपयोग करें। अधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है।

बांसा : इन पौधों का उपयोग मुख्य रूप से शास रोगों, खांसी, सर्दी-जुकाम में किया जाता है। इसे कफ निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त दमा, ब्रोन्काइटिस, बुजली, जोड़ों का दर्द में भी इस्तेमाल होता है। इनमें एन्टी-चायरल, एन्टी-बैकटेरियल तथा एन्टी-फंगल गुण भी पाए जाते हैं।

लेमन ग्रास : लेमन ग्रास से सिर दर्द और मानसिक तनाव कम होता है। इसके उपयोग से प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती मिलती है। इसकी ताजी/सूखी पत्तियों का उपयोग 'ग्रीन टी' के रूप में किया जाता है।

अदरक : अदरक एक अद्भुत औषधीय पौधा है, जो कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में महागर है। इसके अतिरिक्त अदरक हमारे इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक है।

हल्दी : हल्दी हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके जीवाणुरोधी, एन्टी-चायरल तथा एन्टी-फंगल तत्व भी पाया जाता है। जो हमारे शरीर को इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक है। सुदृढ़ प्रतिरक्षा क्षमता हमें सर्दी, फ्लू और खांसी होने की संभावना को कम करती है। सर्दी, खांसी या फ्लू होने पर एक गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पांडठर को मिलाकर पी सकते हैं। इसके अतिरिक्त हल्दी कैंसर, गठिया, मधुमेह, हृदय रोग से निदान, घाव भरने, वजन बढ़ाने में सहायक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाइम्स	12.08.2020	--	--

—नित्य शक्ति टाइम्स (हिसार) बुधवार 12 अगस्त, 2020

भगवान् श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में धारण करें : कुलपति

**हकूमि कुलपति प्रो.
समर सिंह ने कहा,
भगवान् श्रीकृष्ण के
जीवन से हमें
संतुलित जीवन जीने
की प्रेरणा मिलती है**

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज
हिसार। चैधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय
हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर



सिंह ने जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर कहा कि भगवान् श्री कृष्ण द्वारा हरियाणा की पावन भूमि कुरुक्षेत्र पर गीता का उपदेश आज के युग में भी

प्रासादिक है। प्रोफेसर समर सिंह ने आम जनमानस से आङ्गन किया कि वे श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में भी धारण करें। नवसुजन और जनकल्याण के प्रणेता भगवान् श्रीकृष्ण की अनेक छवियाँ भारतीय जनमानस से जुड़ी हुई हैं। श्रीकृष्ण जी के जन्मदिवस पर हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें सत्कर्म करने पर बल देना चाहिए। जिस मनुष्य का जीवन सत्कर्म से अच्युत है, वह निर्धन है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हमें जीवन में सर्वज्ञेषु कर्मों को करने के लिए प्रेरित करता है। पापियों व आतातायियों के अंत के लिए श्रीकृष्ण ने समय पर सुदर्शन चक्र को धारण करके उनका नाश किया। उनके जीवन से हमें संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। सुदामा के साथ निभाई मित्रता से उनके द्वारा पर बढ़ते रहना चाहिए। समस्त विश्व को ऊंच-नीच का भेद भूलाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। द्वोपदी चौर हरण के समय मानवमन में समाजी मलिनता पर कठोराधात करते हुए महाभारत जैसे भीषण बुद्ध में पापियों का नाश करवाया। ऐसे में हमें अपने जीवन के प्रति सजग रहकर गीताउपदेश को धारण करना चाहिए। श्रीकृष्ण एक महानायक के रूप में अवतरित हुए और उन्होंने कंस का वध कर अपनी माता व पिता को कारावास मुक्त करवाकर अपने पुत्रधर्म का पालन किया। सुरदास जी ने श्रीकृष्ण की बाल क्रिडाओं को अपने पदों में उतारा है, जिसके भजन सूनकर मन शांत व प्रसन्न हो जाता है। प्रो. समर सिंह ने कहा कि हमें श्री कृष्ण के बताए अनुसार कर्म करते हुए अपने पथ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टूडे न्यूज	11.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय 'स्वस्थ ग्रह के लिए स्तनपान को बढ़ावा देना' था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आत्मनिर्भरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढाण्डा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढाण्डा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता संधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिनी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



कुलपति प्रोफेसर समर सिंह



प्रथम स्थान विजेता भव्या संधु विजेता भव्या संधु सांगवान व डॉ. उर्वशी नांदल की ड्यूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रेसिपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भव्या संधु, प्रेक्षा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्युटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अंकिता तिवारी द्वितीय व मिनी तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका खुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, ज्ञानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आस्था, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टूडे न्यूज	12.08.2020	--	--

युवाओं पर टिका है देश का भविष्य

टूडे न्यूज | हिसार



कुलपति प्रोफेसर
समर सिंह

कहीं भी रहें किन्तु कल्याण के लिए जनकारी मार्गे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निरशा से नहीं, बल्कि यह कहना कि अगली बार फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अध्ययन को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्रकल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कल घोषित किया जाएगा।

भगवान् श्री कृष्ण की पथ प्रदर्शक व मार्गदर्शक के रूप में सार्थकता आज के युग में भी प्रासंगिक : कुलपति प्रो. समर सिंह

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आह्वान किया कि देश का भविष्य है, ऐसे में सभी युवाओं को उत्तरि व विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आशा की कि वे कृषि क्षेत्र में कहीं भी रहें किन्तु कल्याण हेतु कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि स्नातकों, स्नातकोत्तरों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कहतव्य है कि किसानों की सहायतार्थ जो हो सके, करें। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कमंचारी से जानकारी मार्गे तो प्रत्येक का यह फर्ज है कि वो उसका मार्ग दर्शन करे। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निरशा से नहीं, बल्कि यह कहना कि अगली बार फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अध्ययन को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए छात्रकल्याण निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कल घोषित किया जाएगा।

हमें सत्कर्म करने पर बल देना चाहिए। जिस मनुष्य का जीवन कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जन्माप्तमी के शुभ अवसर पर कहा कि भगवान् श्री कृष्ण द्वारा हरियाणा की पावन भूमि कुरुक्षेत्र पर गीता का उपदेश आज के युग में भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर समर सिंह ने आम जनमानस से आह्वान किया कि वे श्री कृष्ण के बताए उपदेशों को अपने जीवन में भी धारण करें। नवमृजन और जनकल्याण के प्रणाली भगवान् श्रीकृष्ण की अनेक छायियों भारतीय जनमानस से जुड़ी हुई हैं। श्रीकृष्ण जी के जन्मदिवस पर हमें यह शिक्षा मिलती है कि

पर कठोराधात करते हुए महाभारत जैसे भीषण युद्ध में पापियों का नाश करवाया। ऐसे में हमें अपने जीवन के प्रति सज्जा रहकर गीतात्पदेश को धारण करना चाहिए। श्रीकृष्ण एक महानायक के रूप में अवतारित हुए और उन्होंने कंस का वध कर अपनी माता व पिता को कारबास मुक्त करवाकर अपने पुत्रधर्म का पालन किया। सुरदास जी ने श्रीकृष्ण की बाल क्रीड़ाओं को अपने पदों में उतारा है, जिसके भजन मुनक्कर मन शांत व प्रसन्न हो जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें श्री कृष्ण के बताए अनुसार कर्म करते हुए अपने पथ पर बढ़ते रहना चाहिए।

देश में 'कृषि मेघ' होगा किसानों के लिए लाभकारी : कुलपति

हिसार | केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत विकसित 'कृषि मेघ' सेवा व अन्य तीन सेवाओं का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया। कृषि मेघ शैक्षिक संस्थाओं की प्रत्यायन प्रणाली पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र एल्यूमिनेइ नेटवर्क (केवीसी एल्युनेट) इत्यादि के माध्यम से पूरे कृषि जगत् को एक जगह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थाओं को ऑनलाइन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। इन तीनों सेवाओं के लागू करने पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज मंत्री श्री नरेंद्र तोमर को बधाई दी। राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय अपनी भूमि अदा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु हो रहे कृषि आधारित शोध कार्यों में गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा।

बधाई देते हुए प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि कृषि मेघ एक नवाचार आधारित कदम है जो डिजीटल भारत कार्यक्रम में एक मुख्य कड़ी है व यह कार्यक्रम किसान, कृषि छात्र व विशेषज्ञों के बीच एक सक्रीय माध्यम का कार्य करेगा। इस तरह के किसान कल्याण हेतु कार्यक्रमों से भविष्य में व्यवहारिक व सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे, साथ ही किसानों की उत्तरि में कृषि व्यवसाय अपनी भूमि अदा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु हो रहे कृषि आधारित शोध कार्यों में गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आनलाईन (जीवन आधार)	11.08.2020	--	--



हरियाणा कपि विभूविद्वालय में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन

937

परिपक्व वृक्षीयात्मक के शैरेट पहली गृहन महानीजात्य में आए हुए परिपक्व जैव शिक्षा परियोग के साथैसे से विभिन्न अभिलाषा विद्यार्थीजनों द्वारा भवितव्यतया विद्या विद्या लगान सदाचार के असार पर कर्तव्य हुए हैं, जिनका विद्या सम्बन्ध के लिए संबंधित के बड़ा दर्शा देता है। इन वृक्षीयात्मकों के अधिकार पर कर्तव्यतया विद्या विद्या लगान के अधिकारों में विद्यार्थीयों के बढ़ावाना होता है। इससे उनमें अभिलाषा विद्या लगानामात्र प्रदानसंघीयी भी भविता जा विद्या होता है। उन्होंने विद्या द्वारा देते भवितव्यतया के लिए कर्तव्य हुए दर्शा किए हैं।

245 लिंगार्थम् न विष्णु प्रतिमोर्गति अस्ति वा विष्णा

दूसरी चार कर्त्ता ने भिजन महाविद्युतय की प्रेषिता दी। विमान द्वारा को लेवरेज में इन प्राइवेटीलेन्डों को अपेलेट किया गया। डॉ. विनेश द्वारा ने कहा कि महाविद्युतय में सम्पन्नता पर इस प्रकार की प्राइवेटीय आवश्यकता नहीं है। खाता एवं वापर विभाग की प्रियांगा डॉ. संगीता द्वारा ने कहा कि प्रियांग के विवरणों के विवरणों का विवरण द्वारा की अवृद्धीएस कम्पनी ने सभी 245 प्राइवेटीयों ने दिया था। इन प्राइवेटीलेन्डों के आधारने के लिए डॉ. संगीता द्वारा बहुत सर्वानुरूप दी गई थी। उन्होंने नामक द्वारा अपारदित पाँच रुपयों की प्राइवेटीय में प्रबंध स्वतं पर भव्य संख्या पूर्व द्वारा दिया रखने वाली ने सुनिश्चित स्थान पर दी। अपराध से बचाना या विद्युतीयोंना वृक्ष-वन्यजनक प्रपाद, विकास तथा उत्तिष्ठान के लिए सुनिश्चित रूप से वर्णन करना चाहिए। इसीलिए विद्युतीयोंना वृक्ष-वन्यजनक प्रपाद, विकास तथा उत्तिष्ठान के लिए सुनिश्चित रूप से वर्णन करना चाहिए। इसीलिए विद्युतीयोंना वृक्ष-वन्यजनक प्रपाद, विकास तथा उत्तिष्ठान के लिए सुनिश्चित रूप से वर्णन करना चाहिए। इसीलिए विद्युतीयोंना वृक्ष-वन्यजनक प्रपाद, विकास तथा उत्तिष्ठान के लिए सुनिश्चित रूप से वर्णन करना चाहिए। इसीलिए विद्युतीयोंना वृक्ष-वन्यजनक प्रपाद, विकास तथा उत्तिष्ठान के लिए सुनिश्चित रूप से वर्णन करना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	12.08.2020	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा युवाओं पर टिका है देश का भविष्य

Posted on August 12, 2020 by Admin (<https://jyotiweb.com/?author=1>)

हिसार, राजेन्द्र अब्दला: वैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्व युवा दिवस पर सभी युवाओं को आहुति किया कि देश का भविष्य है, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उत्तमि य विकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से अपना की बात की कृपि कोड में काही भी रुप लिनु किसी के कल्पाग हेतु कर्म करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि मालवी, मालावीयों व दूसी कृषि वैज्ञानिकों का कानून है कि विद्यालयी की सहायतार्थी वो हो सके, करें। विद्यालयी यदि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भी कर्मचारी भागी तो प्रदेश का यह कानून है कि वो उसका नाम दर्शन करें। एक भी विद्यालयी भागी तो उसका नामी, बस्कि यह कहता निकले कि अलाई बाट फिर आऊंगा। कोरोना महामारी के बलए विश्वविद्यालय में ऑनलाइन अध्ययन जारी है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस वैज्ञानिकों को सीखात करते हुए अध्ययन की जारी रक्खा है और इस काल्य में अपना योगदान दिया है। इसी कही की धूम में रखते हुए छात्रकर्त्ता निदेशालय द्वारा विश्व युवा दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कल प्रकाशित किया जाएगा। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा की वैधरी प्रधान विश्व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 13 अप्रूप तक 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्र अपना बी.एस.सी./बी.एस.सी.ए प्रोफेसर





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	12.08.2020	--	--

हक्कि के कलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा-देश में 'कृषि मंड़' होगा किसानों के लिए लाभकारी

Posted on August 12, 2020 by Admin (<https://ultrafarming.com/?refcode=1>) |

हिसार, राजनन् अध्यक्ष: केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, प्रामाणिक विकास लक्ष्य परिवर्तीकरण मंत्री श्री नेहद तोमर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उत्प विद्या परियोजना के अनुसारि विकसित 'कृषि मेय लेज' व अन्य लीन सेवा जैव का 11 अगस्त को शुभारंभ किया गया। कृषि मेय आई.सी.इ.आर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उत्प विद्या परियोजना के अनुसारि लैपार किया गया है। कृषि मेय एक डिजीटल प्लेटफॉर्म है जिसपर कृषि संबंधी जाता उत्पादक ही सकेगा और इससे नई विद्या लीनि के साथ-साथ कृषि विद्या और शोध कार्यों को बढ़ावा दिलेगा। इसके साथ, साथ उत्प कृषि दैर्घ्यक संस्थानों वाली प्रश्नावान प्राज्ञाती पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र इलुमिनेट नेटवर्क (कैनोटी इन्टर्न) प्रणालि के माध्यम से पूर्ण कृषि जगत् को एक जाह लाया जा सकेगा। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपस में जाता कार सकेंगे और कृषि संस्थानों को आ॑ नेहाईन मान्यता प्राप्त हो सकेगी। इन तीनों लेजों के लाभ करने पर कृषि कलपति प्रोफेसर समर सिंह केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, प्रामाणिक विकास लक्ष्य परिवर्तीकरण मंत्री श्री नेहद तोमर की बधाई दी। राष्ट्रीय कृषि उत्प विद्या परियोजना के राष्ट्रीय निदेशक डॉ.आर.सी.अग्रवाल को बधाई देते हुए प्रोफेसर लैपार लिंग ने कहा कि कृषि मेय एक नवाचार आपातिक कदम है जो डिजीटल भवित्व का पहला में एक मुख्य कदम है व यह कलर्जिटन किसान, कृषि छात्र व विद्येशों के लिए एक सर्वीस मालाम का कार्य करेगा। इस लक्ष के विकास कल्याण हेतु योर्किजनों से भविष्य में व्यावहारिक व साकारात्मक परिवर्तन हासिल होने, साथ ही किसानों की उत्कृष्टि में कृषि व्यवसाय अपनी भूमि जदा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु ही रहे कृषि आपातिक शोध कार्यों में नुकसान की बढ़ावा दिलेगा।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	12.08.2020	--	--

भगवान् श्री कृष्ण की पथ प्रदर्शक व मार्गदर्शक के रूप में सार्थकता आज के युग में भी प्रासंगिक - प्रोफेसर समर सिंह

August 12, 2020 • Rakesh • Hissar Local News

हिसार, 12 अगस्त - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने जननाईटी के युग्म अवसर पर कहा कि भगवान् श्री कृष्ण द्वारा हरियाणा की पावन धूमि कुरुक्षेत्र पर गीता का उपदेश आज के युग में भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर समर सिंह ने आज जननाईनस से आहान्किया कि वे श्री कृष्ण के बाबा उपदेशों को अपने जीवन में भी धारण करें। नवसूचन और जनकल्पना के प्रयोग भगवान् श्रीकृष्ण की अनेक उत्तियों भारतीय जननाईनस से जुड़ी हुई हैं। श्रीकृष्ण जी के जननाईवस पर हमें यह चिह्न निभाती है कि हमें सलकर्म करने पर वह देख देता चाहिए। जिस मनुष्य का जीवन सलकर्म से अच्छा है, वह निर्धन है। श्रीकृष्ण जननाईनी का यर्थ हमें जीवन में सर्वश्रेष्ठ कर्मों को करने के लिए प्रेरित करता है।



याविद्यो व आलातायियों के लिए श्रीकृष्ण ने समर्पण पर सुदृढ़न वक को धारण करके उनका नाम किया। उनके जीवन से हमें संतुष्टित जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है। सुदामा के साथ निभाई निवला से उनके द्वारा समर्पण की ऊंच-नीच का भेद भूलाकर आपसी भाईचारा का संदेश दिया गया। दोषप्रीती पीर हरपण के समय मानवमन में समाप्ती मृत्युनाश या कठोरापात्र करते हुए महापात्रत जीसे भीषण युद्ध में पारिषदों का नाम करवाया। ऐसे में हमें अपने जीवन के प्रति सज्ज रहकर नीतात्मवदों को धारण करना चाहिए। श्रीकृष्ण एक बहानावाक के रूप में अवतारित हुए और उन्होंने केस का धर्य कर अपसी नाता व निता को कारावास सुकरा करवाकर अपने पुरुषधर्म का पालन किया। सुरदास जी ने श्रीकृष्ण की बात झीड़ा-झटी को अपने पदों में उतारा है, जिसके भवन सुनकर मन शात व प्रसन्न हो जाता है। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हमें श्री कृष्ण के बताए अनुसार कर्म करते हुए अपने पथ पर बढ़ते रहना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	12.08.2020	--	--

हकूमि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा- देश में 'कृषि मंध' होगा किसानों के लिए लाभकारी

Posted on August 12, 2020 by Admin (<https://jainsjurnals.com/?author=1>) |

हिसार, राजेन्द्र नगराल- केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, प्रान्तीय विकास लक्ष्य परिवर्तीरण मंडी श्री नेहरू टॉपर द्वारा राष्ट्रीय कृषि उत्प शिक्षा पारियोजना के अन्तर्गत विकसित कृषि उत्प शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत लोपाल द्वारा कृषि उत्प शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत लोपाल द्वारा कृषि उत्प शिक्षा और इलाज नवीन विकास नीति के सम्बन्ध में विकास और शोध कार्यों को बढ़ावा दिलेगा। इसके साथ, साथ उत्प कृषि शैक्षिक संस्थानों की प्रश्नापन प्रबलता पोर्टल व कृषि विश्वविद्यालय छात्र लक्ष्मिनार्थ नेटवर्क (कैरोली लॉन्ग) द्वारा दिए गए आपामुख्य से पूर्ण कृषि जगत को एक ज्ञान लायन या संकेना। इसके माध्यम से कृषि छात्र आपामुख्य में बात कर सकेंगे और कृषि संस्थानों की आनंदलालन जगत्कात्र प्राप्त हो सकेंगी। इन तीनों लोगों के लाभ करने पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, प्रान्तीय विकास लक्ष्य परिवर्तीरण मंडी श्री नेहरू टॉपर की बाबाई दी। राष्ट्रीय कृषि उत्प शिक्षा परियोजना के राष्ट्रीय निदेशक डॉ. अर. सी. अपामुख का पूछा देते हुए प्रोफेसर सनर सिंह ने कहा कि कृषि में एक नवाचार अप्रतिकृत कदम है जो डिजिटल भारत का पैकड़ा ने एक मुख्य कदम है व यह कार्बोफ्रेम किसान, कृषि छात्र व विदेशी के लिए एक सर्वीस माध्यम का कार्य करेगा। इस तरह के किसान कल्याण हेतु कार्बोफ्रेमों से भविष्य में व्यावहारिक व सामाजिक परिवर्तन हासिल होने, साथ ही किसानों की उत्पत्ति में कृषि व्यवसाय अपनी भूमि जटा करेगा। उन्होंने कहा कि इसके द्वारा किसानों के कल्याण हेतु ही रहे कृषि अधिकारित शोध कार्यों में युग्मवता की बढ़ावा दिलेगा।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	12.08.2020	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्राफेसर समर सिंह ने कहा युवाओं पर टिका है देश का भविष्य

Posted on August 12, 2020 by Admin [View Profile] [Report Abuse]

हिसार, राजीना महावाल, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विभूति युवा दिवस पर सभी युवाओं को आहुआन किया कि देश का भविष्य है, ऐसे में सभी युवाओं को देश की उप्रशिष्टी व दिकास में अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय के छात्रों से आपा की कि वे कुर्सी बोर्ड में कहाँ भी रहें विन्यु किसानों के कल्याण हेतु कार्य करें। हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और ऐसे में कृषि आवासों, समाजबोलारों व सभी कृषि वैज्ञानिकों का कानून्य है कि किसानों की सहायतार्थी वो ही संकेत, जरूर। किसान यदि विश्वविद्यालय के किसी भी कम्पियूटर से जानकारी मार्गे तो प्रायःक का यह कार्य है कि वो उसका मार्ग दर्शन करें। एक भी किसान विश्वविद्यालय से निराशा से नहीं, बल्कि यह कहता निकले कि अपारी बार चिर आँकड़ा। कोरोना महावाली के छात्रों विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन अक्षयन यात्री है और साथ ही विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस वीकल्पन की सीधीतर करने से हुए अव्यवहार को जारी रखा है और इस कार्य में अपना योगदान दिया है। इसी कही को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय कानूनिक किया जाएगा। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा की कैसी भवग सिंह हरियाणा का अव्योनन करवाया जा रहा है, जिसका परिणाम कानूनिक किया जाएगा। प्रोफेसर समर सिंह ने दिवस पर एक कविता लेखन प्रतियोगिता का अव्योनन करवाया जा रहा है, जिसका विश्वविद्यालय में 13 अगस्त तक 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण छात्र अपना बी.एस.सी.(ऑनलाईन) एप्लीकेशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (जुल्म से जंग)	12.08.2020	--	--

भव्या संधु ने बनाई सबसे उत्तम नवाचार आधारित पौष्टिक

Posted on August 12, 2020 by Admin (<https://ultraejung.com/?author=1>). |

हिसार, राजेन्द्र अग्रवाल: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय में साधा एवं पोषण विभाग और राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना के सहयोग से विभिन्न ऑनलाइन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये प्रतियोगिताएं विश्व स्तरनापान सप्ताह के अवसर पर कराई गई थीं, जिनका विषय स्वस्य ग्रह के लिए स्तरनापान को बढ़ाव देना था। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन पर कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजनों में विद्यार्थियों को बढ़ावदात्र भाग लेना चाहिए। इससे उनमें आनन्दभरता व सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। उन्होंने विभाग द्वारा ऐसे आयोजनों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वोत्तम विकास में सहायक होते हैं। 245 विद्यार्थियों ने लिया प्रतियोगिताओं में हिस्सा दिया चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिकृता डॉ. बिमला ढाढ़ा की देखरेख में इन प्रतियोगिताओं को आयोजित किया गया। डॉ. बिमला ढाढ़ा ने बताया कि महाविद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। साधा एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता चहल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों व ग्रामीण क्षेत्र की आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ताओं सहित 245 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए डॉ. संगीता सिंधु, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. वीनु सांगवान व डॉ. उर्वशी नादल की छूटी लगाई गई थी। नवाचार आधारित पौष्टिक रोसीपी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भज्मा संधु, प्रेशा द्वितीय स्थान और श्रुति व सलोनी तृतीय स्थान पर रहीं। कंप्यूटर से बनाए गए पोस्टर प्रतियोगिता में शुभम सचदेवा प्रथम, अकिता तिवारी द्वितीय व मित्री तृतीय जबकि हाथ से बनाए गए पोस्टर में प्रीति प्रथम, सुधा द्वितीय व साक्षी तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आई.सी.डी.एस. कार्यकर्ता सोनिका सुराना ने प्रथम, तुलसी ने द्वितीय, जानो देवी ने तृतीय, सरोज बाला चौथे व नीलम ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आरती, आसा, ज्योति व प्रियंका विजेता रहीं। डॉ. संगीता चहल ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।